लोक सभा **सचिवालय**
कैंप इंदौर

18 से 20 फरवरी, 2017 तक इंदौर मध्य प्रदेश में सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई देशों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के बारे में मीडिया के लिए सूचना पत्र

इंदौर, 16 फरवरी, 2017 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन 18 फरवरी, 2017 को सुबह 10 बजे होटल रैडिसन ब्लू इंदौर (मध्य प्रदेश) में सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई देशों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी ।

भारत की संसद और अंतर-संसदीय संघ (Inter-Parliamentary Union) संयुक्त रूप से 18 से 20 फरवरी, 2017 तक इंदौर, मध्य प्रदेश में सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई देशों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की बैठक का आयोजन कर रहे हैं।

अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका की संसदों के पीठासीन अधिकारी इस शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं ।

इस शिखर सम्मेलन में दो दिनों की चर्चा के दौरान दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए प्रासंगिक निम्नलिखित विषयों पर चर्चा होगीः- (एक) दक्षिण एशिया में सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए संसाधनों का पता लगाना : संसदीय सहयोग के अवसर; (दो) सतत विकास के महत्वपूर्ण कारक के रूप में महिला-पुरुष समानता; और (तीन) जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की चुनौती के साथ प्रभावी ढंग से निपटना : क्षेत्रीय संसदीय सहयोग के अवसर" ।

सतत् विकास लक्ष्यों से हमारा तात्पर्य सामाजिक और सुव्यवस्थित आर्थिक परिवर्तन का ऐसा प्रतिमान है जिससे भविष्य में आर्थिक और सामाजिक लाभों की संभावना को प्रभावित किए बिना वर्तमान में उपलब्ध इन लाभों का इष्टतम उपयोग करना है ।

सितम्बर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने सतत् विकास लक्ष्यों को स्वीकार किया था जिसके अंतर्गत वर्ष 2030 तक 17 लक्ष्य (SDGs) और 169 टारगेट प्राप्त किए जाने का लक्ष्य है। 2000 में सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य (MDGs) संयुंक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित किये गए थे। वर्तमान SDGs पुराने MDGs की तुलना में अधिक व्यापक एवं महत्वकांक्षी हैं।

दक्षिण एशियाई क्षेत्र विश्व का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है जहां विश्व की चार प्रतिशत से भी कम भूमि होने पर भी विश्व की लगभग 25 प्रतिशत आबादी यहीं बसी हुई है । दक्षिण एशिया का साझा इतिहास संस्कृति और क्षेत्रीय विशेषताएं है जिसके कारण इस क्षेत्र के देश एक-दूसरे

से जुड़े हैं । इस क्षेत्र में विकास संबंधी समान समस्याएं हैं और इन देशों के बीच के अनूठे बंधन से हमें अपने देशवासियों के लिए एक बेहतर संसार का निर्माण करने का सपना साकार करने के लिए मिलकर काम करने में मदद मिलेगी । इस शिखर सम्मेलन में इस क्षेत्र में सतत् विकास लक्ष्यों पर प्रभाव डालने वाले विकास संबंधी प्रमुख मुद्दों पर विचार किया जाएगा ।

इससे पहले जनवरी, 2016 में दक्षिण एशिया (अफगानिस्तान,बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका) की संसदों के अध्यक्षों ने ढाका, बांग्लादेश में पहली बार बैठक की थी और सतत् विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में मदद के लिए क्षेत्र की संसदों द्वारा की जाने वाली ठोस कार्यवाही और तौर-तरीकों पर चर्चा की । ढाका घोषणा में सतत् विकास लक्ष्यों के बारे में ठोस संसदीय कार्यवाही के महत्व पर जोर दिया गया तथा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के संबंध में दक्षिण एशियाई देशों के अध्यक्षों के मंच की स्थापना की गई । यह निर्णय लिया गया कि मंच सतत् विकास लक्ष्यों की प्रगति और कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए वर्ष में एक बैठक करेगा ।

इंदौर में 2017 के इस शिखर सम्मेलन का आयोजन ढाका में की गई घोषणा की अनुवर्ती कार्यवाही के रूप में किया जा रहा है ।

भारत एक लंबे अरसे से सतत् विकास लक्ष्यों के प्रमुख तत्वों को अपनी विभिन्न विकासात्मक नीतियों और कार्यक्रमों में शामिल करके सतत् विकास के पथ पर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है । हमारी संसद भी सतत् विकास लक्ष्यों के अनुरूप अपनी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की सहायता हेतु सक्रियता से कार्य कर रही है ।

भारत की संसद विकास क्षेत्र में नीति निर्माण और कार्यक्रम कार्यान्वयन में महिला जन प्रतिनिधियों की भूमिका को मुख्य धारा में लाने के लिए निरंतर प्रयास करती आ रही है । पिछले साल अगस्त में संसद ने ब्रिक्स महिला सांसद मंच की पहली बैठक का आयोजन किया जिसमें ब्रिक्स देशों की महिला सांसदों ने सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श किया । इससे पहले मार्च, 2016 में महिलाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों और चुनौतियों पर विचार करने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला जन प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया कि महिला जन प्रतिनिधि किस प्रकार राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकती हैं । इंदौर शिखर सम्मेलन के आयोजन से दक्षिण एशियाई क्षेत्र के सांसदों को इस क्षेत्र के विकास संबंधी सरोकारों पर मिलकर चर्चा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध होगा ।